प्रकृति का संदेश

अभ्यास-माला

1. कविता का हावभाव के साथ वाचन करो।

उत्तर : विद्यार्थी स्वयं करें।

2. आओ, ऐसे ही एक अन्य कविता की कुछ पंक्तिया दोहराएँ :

देखो कोयल काली है पर

मीठी है इसकी बोली

इसने तो कूक-कुक कर

आमों में मिसरी घोली।

उत्तर : विद्यार्थी स्वयं करें।

3. खाली जगहों की पूर्ति करो :

(क) पर्वत कहता..... उठाकर

तुम भी ..... वन जाओ।

.....कहता है लहराकर

मन में..... लाओ।

उत्तर : पर्वत कहता शीश उठाकर

तुम भी ऊँचे बन जाओ।

सागर कहता है लहराकर

मन में गहराई लाओ।

(ख) पृथ्वी कहती,. .... ना छोरो

'कितना ही हो..... पर भार।

.....कहता है, फैलो इतना

ढक लो तुम सारा..... ।

उत्तर : पृथ्वी कहती, धैर्य न छोड़ो

कितना ही हो सिर पर भार

नभ कहता है, फैलो इतना

ढक लो तुम सारा संसार।

4. कविता का भाव समझो और उत्तर दो :

उत्तर : विद्यार्थी स्वयं करें।

(क) ऊँचाइयों को छूने का संदेश कौन देता है ?

उत्तर : ऊँचाइयों को छूने का संदेश पर्वत देता है।

(ख) मन मैं गंभीरता लाने का संदेश कौन देता है ?

उत्तर : मन में गंभीरता लाने का संदेश सागर देता है।

(ग) धीरज रखने का संदेश कौन देता है ?

उत्तर : धीरज रखने का संदेश पृथ्वी देती है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो :

(क) 'प्रकृति का संदेश' कविता के कवि कौन है ?

उत्तर : 'प्रकृति का संदेश' कविता के कवि श्री सोहनलाल द्विवेदी हैं।

(ख) पर्वत हमें क्या संदेश देता है ?

उत्तर : पर्वत हमें ऊँचे बनने का संदेश देता है।

(ग) पाठ के आधार पर प्रकृति के चार उपादानों के नाम लिखो।

उत्तर : प्रकृति के चार उपादानों के नाम हैङ

1. पर्वत।

2. सागर।

3. पृथ्वी।

4. आकाश।

(घ) आकाश हमें क्या संदेश देता है ?

उत्तर : आकाश हमें सर्वोपरि बनने का संदेश देता है।

6. आओ, बातचीत करे :

प्रकृति और प्राणी में गहरा संबंध है। पृथ्वी पर जीवन-धारण के लिए प्रकृति ने सभी

प्राणियों को हवा-पानी, वन-पर्वत, पेड़-पौधे आदि दिए है। परंतु आज मनुष्य प्रकृति के इन उपादानों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान नहीं देता। फलस्वरूप हमारा पर्यावरण प्रदूषित होता जा रहा है।

→ "प्रकृति की सुरक्षा और हमारा कर्तव्य" विषय पर कक्षा के सभी विद्यार्थी सम्मिलित होकर परिचर्या का आयोजन करो साथ ही अपने-अपने विचार शिक्षक को बताओ।

उत्तर : विद्यार्थी स्वयं करे।

7. पढ़ो, समझो और लिखो :

वालक – बालिका बाघ – बाघिन

गायक – ..... माली – .....

पाठक – ..... तेली -.....

नायक – ..... धोबी -.....

उत्तर :

बालक – बालिका बाघ – बाघिन

गायक – गायिका माली – मालिन

पाठक – पाठिका तेली – लिन

नायक – नायिका धोबी – धोबिन

8. आओ, रेखा खीचकर समानार्थक शब्दों को मिलाएँ।

पर्वत – धरती

शीश – कोमल

नभ – आकाश

मृदुल – गिरि

पृथ्वी – सिर

उत्तर :-

पर्वत – धरती

शीश – कोमल

नभ – आकाश

मृदुल – गिरि

पृथ्वी – सिर

9. आओ, पढ़ें और समझें :

(क) मोहन की पुस्तक अच्छी है।

(ख) जंगल में शेर और हाथी रहते है।

(ग) लड़का मीठा आम खा रहा है।

(घ) रजिया स्कूल जा रही है।

ऊपर के वाक्यों में रेखांकित शब्द नाम सूचित करते हैं। ये सभी संज्ञाशब्द है।

→ ऐसे और पाँच संज्ञा शब्द लिखो।

उत्तर : पाँच संज्ञा शब्द है –

1. पर्वत।

2. नदी।

3. पेड़।

4. नारियल।

5. कलम।

10. कविता में आए निम्नलिखित सर्वनामों से एक एक वाक्य बनाओ।

(क) तुम : .....

(ख) अपना : .....

उत्तर : (क) तुम :- तुम सुंदर अक्षरों में लिखो।

(ख) अपना : अपना काम समय पर करो।

11. आओ, पहेलियाँ समझें और लिखें।

(क) ऊँट की बैठक, हिरू की चाल

वह कौन-सा जानवर, जिसके दुम न बाल ?

उत्तर : मेंढक।

(ख) किसकी आँखें होता है, पर देख नहीं सकता ?

उत्तर : नारियल।

(ग) किसके पैर नहीं होते पर चलता है ?

उत्तर : साँप।

12. आओं, यह भी करें :

(क) अपने आस-पास की प्रकृति का निरीक्षण करके अपना अनुभव कक्षा में सुनाओ।

(ख) प्रकृति पर आधारित चार पंक्तियों की एक कविता लिखने का प्रयास करो।

(ग) प्रकृति विषयक अन्य कविताओं का संग्रह कर कक्षा में सुनाओ।"

उत्तर : विद्यार्थी स्वयं करें।

13. आओ, खेल खेल में सीखे :

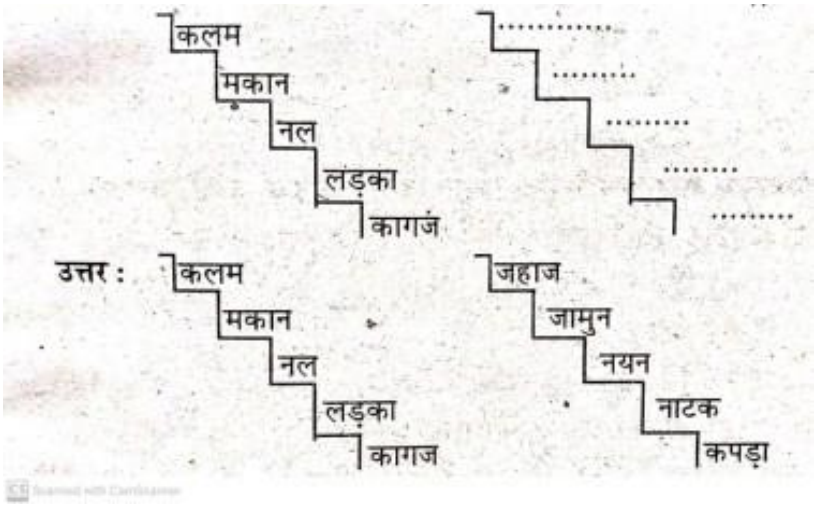

14. 'है' अथवा ' हैं' लगाकर वाक्योंको पूरा करो :

यह पेड़.....। वे पेड़.....।

यह लड़का..... । ये लड़के.....।

वह पक्षी.....। वे पक्षी.....।

वह घोड़ा.....। वे घोड़े.....।

उत्तर :

यह पेड़ है। वे पेड़ हैं।

यह लड़का है। ये लड़के हैं।

वह पक्षी है। वे पक्षी हैं।

वह घोड़ा है। वे घोड़े हैं।